नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गतौरा और बिलासपुर स्टेशन के बीच हुई मेमू पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी की टक्कर एक बार फिर भारतीय रेलवे प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है. इस भीषण दुर्घटना में 11 यात्रियों की मौत और कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया है. जब दुनिया तीव्र गति से हाई-स्पीड ट्रेनों की दिशा में अग्रसर है, भारत में भी 'वंदे भारत' और बुलेट ट्रेन की चर्चाएं जोरों पर हैं. किंतु, इन आकांक्षाओं के बीच यदि यात्रियों की सुरक्षा की नींव कमजोर पड़ जाए, तो यह प्रगति नहीं, विफलता का संकेत है. यह समय रेलवे के लिए नारे या घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस और प्रणाली गत सुधारों की ओर बढ़ने का है. एक सिग्नल जंप, एक मामूली तकनीकी त्रुटि, और दर्जनों जिंदगियां खत्म! यह अस्वीकार्य है. रेलवे की पहली और अंतिम जिम्मेदारी यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है. जब कोई व्यक्ति टिकट खरीदता है, वह केवल यात्रा का मूल्य नहीं, बल्कि अपने जीवन की सुरक्षा का विश्वास भी रेलवे को सौंपता है. इस भरोसे को बार-बार तोड़ा नहीं जा सकता.

बिलासपुर की तरह की घटनाएं यह स्पष्ट करती हैं कि रेलवे प्रशासन का झुकाव आधुनिकता की ओर तो है, परंतु वह सुरक्षा प्रणाली के समानांतर गति से विकसित नहीं हो रही. सरकार 'कवच' जैसी उन्नत टक्कर-रोधी प्रणाली की बात करती है, किंतु इसका क्रियान्वयन बेहद धीमी गति से हो रहा है. देश के सभी मुख्य और अधिक भीड़ वाले मार्गों पर 'कवच' का अनिवार्य और त्वरित कार्यान्वयन अत्यावश्यक है. यह प्रणाली चालक की संभावित त्रुटि के बावजूद ट्रेन को रेड सिग्नल पार करने से रोक सकती है और दो ट्रेनों की सीधी टक्कर को टाल सकती है. इसके साथ ही, मानव कारकों की अनदेखी घातक साबित हो रही है. लोको पायलटों का कार्य अत्यधिक तनावपूर्ण होता है, जिसके लिए नियमित प्रशिक्षण, मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण और विश्राम के पर्याप्त प्रावधान अनिवार्य हैं. हर लोको इंजन में सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी) की समुचित कार्यक्षमता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि समय रहते किसी असावधानी का पता लगाया जा सके. रेलवे की सिग्नलिंग व्यवस्था में भी त्वरित आधुनिकीकरण की आवश्यकता है. आज भी कई रूटों पर पुराने यांत्रिक या अर्ध-स्वचालित सिग्नल सिस्टम चल रहे हैं. इन्हें पूरी तरह डिजिटल, केंद्रीकृत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-आधारित प्रणाली से बदलना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है. उपकरणों की नियमित निगरानी और रखरखाव प्रणाली को कठोर रूप से लागू करना होगा.

इन सभी तकनीकी पहलुओं के साथ, शायद सबसे जरूरी है 'सुरक्षा संस्कृति' का निर्माण. रेलवे तंत्र में यह भावना दृढ़ता से स्थापित हो कि सुरक्षा लाभ से अधिक महत्वपूर्ण है. किसी परियोजना की गति या उद्घाटन की तिथि से अधिक मायने रखता है यात्रियों का जीवन. अधिकारियों और कर्मचारियों में यह संदेश स्पष्ट रूप से पहुंचना चाहिए कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा. भारत विश्व की सबसे बड़ी रेल सेवाओं में से एक संचालित करता है. यह केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की धड़कन है. ऐसे में, सुरक्षा केवल रेल मंत्रालय की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय नैतिक उत्तरदायित्व है. तेज गति की ट्रेनों का सपना तभी सार्थक है जब हर यात्री अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचे. बिलासपुर जैसी घटनाएं हमें यह याद दिलाती हैं कि प्रौद्योगिकी से पहले संवेदना और सतर्कता को प्राथमिकता देनी होगी. यही यात्रियों के प्रति सच्ची जिम्मेदारी और प्रगति का वास्तविक मापदंड है.

ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा परमाणु अवसर पैदा किया

भारत के लिए पाकिस्तान नहीं, चीन है एटमी हमलों का बड़ा खतरा

विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान को संभाला जा सकता है, लेकिन ज्यादा चिंता की बात चीनी परमाणु शस्त्रागार है. खास तौर पर फ्रैक्शनल ऑर्बिटल बॉम्बार्डमेंट सिस्टम (एफओबीएस) की चीनी क्षमता, जो किसी भी मिसाइल रक्षा प्रणाली को बेअसर कर देती है.

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी परमाणु परीक्षण की समय-सीमा के बारे में कहा, 'आपको बहुत जल्द पता चल जाएगा.' इसके साथ ही उन्होंने नए भूमिगत विस्फोटों पर जोर दिया. ट्रंप का यह आदेश रूस द्वारा 'पोसाइडन' नामक एक परमाणु-संचालित पानी के भीतर चलने वाले ड्रोन के परीक्षण के तुरंत बाद आया है. ट्रंप के इस निर्देश ने व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) के क्षरण को लेकर चिंताएं पैदा कर दी हैं, जो नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए सभी परमाणु विस्फोटों पर वैश्विक प्रतिबंध लगाती है.

इन घटनाक्रमों के बीच विशेषज्ञों ने परमाणु हथियारों के परीक्षण पर भारत के स्वैच्छिक प्रतिबंध पर सवाल उठाए हैं. 1998 के पोखरण-II परीक्षणों के बाद से भारत अपनी 'पहले-उपयोग-नहीं' नीति के तहत 'विश्वसनीय न्यूनतम निवारण' के लिए प्रतिबद्ध रहा है. अब पड़ोसी देशों पाकिस्तान और चीन के दो-मोर्चे वाले परमाणु साये में अमेरिका के इस कदम ने भारत के लिए परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने का एक रास्ता खोल दिया है.

हाइड्रोजन बम की क्षमता आंकना जरूरी: विशेषज्ञों का कहना है कि भारत द्वारा संभावित बहाली से उसे अपने हाइड्रोजन बम की क्षमता को मान्य करने का मौका मिल सकता है, जिस पर अतीत में संदेह जताया गया है. 2025 तक 9 देशों क्रमशः अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया के पास परमाणु हथियार हैं. इनमें से अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन ने हाइड्रोजन बम की पुष्टि की है, जबकि भारत और उत्तर कोरिया के दावे विवादित हैं. पोखरण-द्वितीय के एक दशक से भी अधिक समय बाद डीआरडीओ के वैज्ञानिक के संथानम ने मई 1998 में कहा था कि थर्मोन्यूक्लियर या हाइड्रोजन बम कम क्षमता का था और वह देश के

रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पाएगा. हालांकि, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के तत्कालीन अध्यक्ष राजगोपाला चिदंबरम ने दावों का खंडन किया था. परीक्षण के उपकरणों का कुल भार लगभग 10-15 किलो टन था, जो आधिकारिक 58 किलो टन के दावे से काफी कम था. 1998 में कुल 5 उपकरणों का परीक्षण किया गया था, जिनमें एक थर्मोन्यूक्लियर हथियार भी शामिल था. यह एक प्रकार का परमाणु बम है, जो किसी भी नियमित परमाणु विस्फोट को और भी अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए अतिरिक्त ईंधन का उपयोग करता है.

चीन का एफओबीएस कहीं घातक: 2025 तक भारत का परमाणु भंडार लगभग 180 आयुधों का है, जो दो मोर्चों वाली परमाणु छाया के सामने बौना है. पाकिस्तान के 170 आयुध और चीन के अनुमानित 600, जिनके 2030 तक बढ़कर 1,000 हो जाने का अनुमान है. विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान को संभाला जा सकता है, लेकिन ज्यादा चिंता की बात चीनी परमाणु शस्त्रागार है. खास तौर पर फ्रैक्शनल ऑर्बिटल बॉम्बार्डमेंट सिस्टम (एफओबीएस) की चीनी क्षमता, जो किसी भी मिसाइल रक्षा प्रणाली को बेअसर कर देती है.

चीन द्वारा 2021 में परीक्षण किए गए एफओबीएस एक हथियार प्रणाली है, जो एक परमाणु हथियार को पृथ्वी की आंशिक कक्षा में स्थापित करती है और फिर उसे एक अप्रत्याशित दिशा से लक्ष्य पर प्रहार करने के लिए वापस नीचे गिराती है ताकि वह मिसाइल सुरक्षा कवच से बच सके. यही कारण है कि कुछ भारतीय विशेषज्ञ इस वैश्विक अवसर का उपयोग करने का आह्वान कर रहे हैं. इससे भारत अपनी निवारक क्षमता आंक पहले इस्तेमाल न करने की नीति को मजबूत कर सकेगा.

-निहार रंजन सक्सेना

विंध्य की डायरी

'ऑपरेशन प्रहार' पाठ्यक्रम में आईजी की पाठशाला

डा. रवि तिवारी

समूचे विंध्य को नशे ने बुरी तरह से जकड़ लिया है. युवा नशे की चपेट में आ चुका है. नशे को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिये दृढ़ संकल्पित रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत ने पुलिस कर्मियों की पाठशाला लगाई. 'आपरेशन प्रहार 2.0' के पाठ्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की. यह पाठशाला कई रूपो में बेहद महत्वपूर्ण रही, जिसमें चेतावनी, नसीहत, सहानभूति भी थी और एक संदेश भी छिपा था. नशे के कारोबार में लिप्त पुलिस कर्मियों के लिये एक चेतावनी थी, सम्भल जाओ नही तो बक्शे नही जाओगे.

इसके साथ ही उन्होने मंच से ही बताया कि मेरे पास उन पुलिसकर्मियों की सूची है जो तालाब को गंदा करने वाली मछलियों की तरह है. अगर यह सूची सार्वजनिक की गई तो उनके परिवार को भी लज्जित होना पड़ेगा. आईजी ने कहा सुधर जाओ वरना अपने हश्र के जिम्मेदार खुद होगें. 15 दिन का अल्टीमेटम भी सख्त लहजे में दिया गया, थाना प्रभारियों को भी चेताया. आईजी ने अपनी पाठशाला में साफ संदेश दिया जो हुआ सो हुआ अब लापरवाही बर्दाश्त नही होगी. थाना क्षेत्र को मेडिकल नशे से मुक्त करना पड़ेगा. उन्होने 'आपरेशन प्रहार 2.0' अभियान में परिश्रम की आहूति का आव्हान किया ताकि विंध्य क्षेत्र को नशे से मुक्त कराया जा सके. आईजी की यह दरियादिली ही कहेगें जो एक बार पुलिस कर्मियों को सम्भलने का मौका दिया है. अब नशे से जुड़े पुलिसर्मियों को आत्मचिंतन मंथन कर अवैध नशे के खिलाफ बज्र बन जाना चाहिये. क्योंकि उनके मुखिया आईजी ने पश्चाताप का एक सुनहरा अवसर दिया है.

गुढ़ विधायक की चिट्ठी से मची खलबली

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर बीजेपी विधायक ने मोर्चा खोल दिया है. प्रदेश के डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य विभाग के मुखिया राजेन्द्र शुक्ला के गृह जिले के गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह ने सीएमएचओ की अनियमितता को लेकर सीएम डा. मोहन यादव से शिकायत कर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. विधायक की नाराजगी और लिखी चिट्ठी के बाद स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई है.

सीएमएचओ की कार्यशैली पर सवाल उठाने के साथ स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली के लिये जिम्मेदार बताया है. अब राजनीतिक एवं प्रशासनिक गलियारे में इस बात के लिये हड़कंप मचा हुआ है कि सत्ताधारी दल के विधायक द्वारा अपनी ही सरकार के सिस्टम के खिलाफ आवाज उठाई है. हालाकि सीएमएचओ पर जिस तरह के आरोप लगे है वह कोई नई बात नही है. सवाल यह उठता है कि इस पत्र के पीछे असल वजह क्या है? और निशाना किसी के बहाने किसी और पर लगाया गया है.

सांसद की खरी-खरी

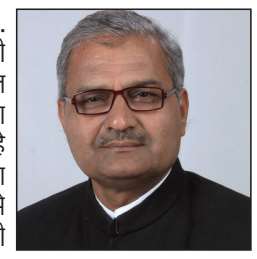

रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा की खरी-खरी बात सुर्खिया बन जाती है. बिना किसी लाग लपेट के भले ही किसी को बुरा लगने वाली बात भी हो, उसे ईमानदारी से सांसद मंच से बोल देते है. जबकि कही हुई बात का उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नही बल्कि एक संदेश देना होता है. बगैर घुमा फिरा के सीधे सच्ची बात सांसद कह देते है और फिर सियासत का रंग दिया जाता है. दरअसल मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह मऊगंज में सांसद जनार्दन मिश्रा ने मंच से सम्बोधित करते हुए कहा कि आज सिर्फ लडक़े ही नही लड़कियां भी नशे की ओर बढ़ रही है. इस समस्या को आईजी-एसपी, सांसद-विधायक खत्म नही कर सकते. इसके लिये अभिभावको को बच्चो के साथ बैठकर बात करनी होगी. यह बात कहने के पीछे उनका उद्देश्य समाज को जागरूक करना था. अब सवाल यह उठता है कि यही बात कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कही थी महिलाएं शराब पीती है जिसके बाद पूरे प्रदेश में हंगामा खड़ा हो गया, अब वही बात सांसद ने भी कही है. लेकिन कांग्रेस इस मामले में चुप्पी साधे है !

व्यर्थ ही किया जाता बिहार को बदनाम

बिहार छात्रों के लिए उच्च व पेशेवर शिक्षा का आधारभूत ढांचा निर्मित नहीं हो पाया, किसी भी अर्थव्यवस्था में श्रमिकों का गतिशील होना एक सकारात्मक स्थिति है. श्रमिकों की मांग और आपूर्ति नियम के तहत बिहार के श्रमिकों की यदि देशव्यापी मांग होती है, तो यह बिहार के लिए एक बेहतर बात है.

बिहार के करीब 45 हजार गांवों में ग्रामीण आधारभूत संरचना की स्थिति काफी अच्छी है, जहां ग्रामीण सड़क निर्माण की एक बड़ी क्रांति हुई है. देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार के गांवों में सड़कों का बेहतरीन नेटवर्क दिखाई देता है. ग्रामीण विद्युतीकरण के मामले में बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य था, वहां अब शत-प्रतिशत घरों में 24×7 बिजली का उपलब्ध होना एक बड़ी बात है. ग्रामीण पेय जल और प्राथमिक विद्यालयों की आधारभूत संरचना के मामले में भी बिहार देश के अग्रणी राज्यों में से एक है. बिहार में महिलाओं का सशक्तिकरण भी खूब हुआ है, चाहे शैक्षिक उत्थान की स्थिति हो, पंचायत के जरिए इनकी 50 प्रतिशत राजनीतिक भागीदारी हो और स्व-सहायता समूहों के जरिए आजीविका मिशन में मिली बड़ी कामयाबी हो. बिहार में देश के अन्य राज्यों की तरह बड़े पूंजीपति और कॉरपोरेट समूह नहीं हैं. यहां देश के तीन बड़े राष्ट्रस्तर के व्यवसायियों का कोई भी निवेश नहीं है. बिहार में पटना के अलावा इसके समकक्ष कोई दूसरा शहर नहीं है, क्योंकि झारखंड के अलग होने के बाद दस लाख की आबादी के करीब के तीन बड़े शहर इस प्रदेश से निकल गए हैं. अभी 25 लाख आबादी वाला पटना प्रदेश का एकमात्र बड़ा शहर है. बिहार कृषि प्रधान प्रदेश होने की वजह से औद्योगिक विस्तार के लिए ज्यादा भूमि भी उपलब्ध नहीं है. यूपी में राजधानी दिल्ली की सीमा से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के रूप में बड़े औद्योगिक शहर मौजूद हैं. यूपी के सकल घरेलू उत्पाद में इन तीन शहरों का अकेले उत्पादन 15 प्रतिशत के बराबर है. इसी तरह एमपी को खनिज और पर्यटन तथा राजस्थान को खनन और पर्यटन का लाभ है. इस तरह का लाभ बिहार के पास नहीं है. अभी बिहार में मुश्किल से 12 प्रतिशत आबादी ही शहर निवासी है.

- मनोहर मनोज

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

राहुल ने फिशिंग पर दिया ध्यान मछली व मतदाता एक समान

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी दिशाहीन होकर अपने उद्देश्य से भटक गए. बिहार में चुनाव प्रचार करने की बजाय वहां के मछुआरों के साथ मछली पकड़ने लगे. ऐसे लोगों के लिए कहावत है- आए थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास !'

हमने कहा, 'आप यह क्यों नहीं सोचते कि मछुआरों से तालमेल कर उन्होंने विपक्षी गठबंधन के लिए वोटों का जुगाड़ कर लिया. इसके अलावा मछली को सौभाग्य व समृद्धि से जोड़ा जाता है. बंगाल में हर सौभाग्यवती स्त्री को प्रतिदिन मछली खानी पड़ती है. मछली में ओमेगा 3 रहता है. इसका सेवन करने से बाल जल्दी सफेद नहीं होते. बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल की महिलाओं के बाल 50 वर्ष की उम्र में भी काले रहते हैं. राहुल गांधी ने कुछ सोच-समझकर ही मछलियां पकड़ी. बुद्धिनाथ मिश्र नामक कवि ने लिखा था- एक बार और जाल फेंक रे मछेरे, क्या जाने किस मछली में फंसने की आस हो! चारा डालकर मछली पकड़ी जाती है तो लुभावने वादे के जाल में वोटर भी तो फंस जाते हैं. पहले चुनावी वादा करो कि सत्ता में आए

तो विदेश से काला धन लाकर हर देशवासी के बैंक खाते में 10 लाख रुपए जमा कर देंगे. जब सत्ता मिल गई तो कह दो काहे का वादा, वो तो चुनावी जुमला था!'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, मछली का महत्व हम भी समझते हैं. भगवान विष्णु ने मत्स्यावतार लिया था. जब मनु नदी में स्नान कर रहे थे तो उनकी अंजुली में एक मछली आ गई. उसने मनु से कहा कि मुझे किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दो. मनु ने उसे सरोवर में डाल दिया फिर उसका आकार बढ़ने पर समुद्र में डाल दिया. वह मछली भगवान का रूप थी. उसने बताया कि प्रलय आने वाला है. इसलिए हर प्रजाति के जीव, बीज इत्यादि लेकर एक बहुत बड़ी नाव में सवार हो जाओ. प्रलय के समय उस नाव को मत्स्यावतार ने खींचकर हिमालय तक पहुंचा दिया और फिर मनु से नई सृष्टि उत्पन्न हुई. ऐसी ही कहानी बाइबिल में 'नोआज आर्क' नाम से है.'

हमने कहा, 'यदि आप प्रथम मानव मनु का नाम लेंगे तो लोग मनुवादी कहकर आपकी आलोचना करने लगेंगे. महान कवि जयशंकर प्रसाद ने भी अपनी रचना 'कामायनी' में मनु के बारे में लिखा है. मनु और उनकी पत्नी शतरूपा अगले जन्म में राजा दशरथ और कौशल्या बने. उनके यहां भगवान राम ने जन्म लिया था.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12072 - डॉ. सागर खादीवाला

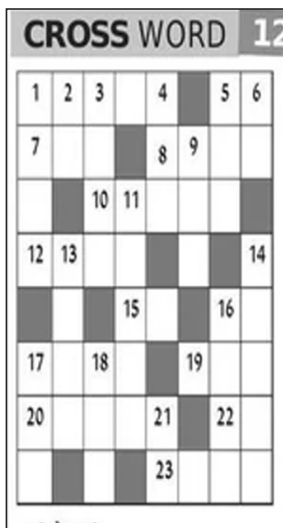

ऊपर से नीचे

1. बच्चों सा, बच्चों के योग्य 2. सांस, प्राण, जी (उर्दू) 3. एक प्रकार का पत्थर जिस पर चोट मारने से आग निकलती है 4. नक्द, बढ़िया 5. ओंठ, आकाश, अंतरिक्ष 6. आघात, लक्ष्य 9. सोते से उठाना, सचेत करना 11. दन-दन शब्द सहित 13. मांस का सेवन करना 14. वृक्ष विशेष जिसकी फलियों का गूदा औषध के काम आता है 16. हुज्जत, विवाद, झगड़ा 17. खेत की रखवाली या शिकार के लिए चार लट्ठों पर बांधकर बनाया गया ऊंचा स्थान 18. हल्दी की जाति के एक पौधे की जड़ जो नेत्र रोगों की दवा है (उर्दू) 21. फल या सब्जी का निचौड़ा हुआ तरल अंश

बाएं से दाएं

1. दुश्चरित्र, कुमार्गी (उर्दू) 5. अमावस्या (सं.) 7. प्रकाश, आभा 8. मकान का नक्शा बनाने वाला व्यक्ति, राज, मेमार 10. सहायक (उर्दू) 12. किसी काम में या किसी निर्वाचन में सम्मिलित होने के लिए किसी का नाम लिखा जाना 15. देखने वाला 16. अंधेरा (सं.) 17. ऊंचे विचार तथा उदारचित्त वाला 19. व्याकुल, बेचैन (उर्दू) 20. हैद्राबाद स्थित प्रसिद्ध वास्तुशिल्प 22. लाल, रंगा हुआ 23. एक ही तरह के रस वाले (पदार्थ), एक ही विचार के, सदा एक सा रहने वाला (सं.)

Solution 12071

प्र	मो	दि	त		क	बा	ब
बं		खा		क	र	ब	द
ध	न	वा	न		ध	र	
क			शे	र	नी		रा
	त	मा	म			का	ज
ना	ला		न	व	दं	प	ति
खु	श	बू			ग	र	ल
द्रा	ना		पा	ग	ल		क

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष क प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक हंसमुख मिलनसार, होगा, खेलों के प्रति विशेष ध्यान देगा, स्वास्थ्य साधारण अच्छा रहेगा, बचपन में आकस्मिक स्वास्थ्य कष्ट होगा, बाद में अच्छा रहेगा,विद्या में रूचि रहेगी, अपने संबंधों को मधुर रखेगा, जन्म स्थान से दूर रहकर उन्नति करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

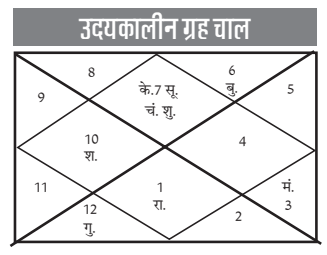

मेष- कानूनी मामले आपसी बातचीत से सुलझ सकते हैं, शासकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, योजनाओं का विकास होगा, स्त्री जाति का सहयोग मिलेगा.

वृषभ- कर्जदारी से छुटकारा मिलेगा, जीवनसाथी की सलाह से हिम्मत बढेगी, दूर की यात्रा सावधानी से करें, उलझनों से छुटकारा मिलेगा.

मिथुन- नजदीकी कार्यों के कारण भागदौड़ बढ़ सकती है, आप जोखिम उड़ाने के लिये तैयार रहेंगे, मान सम्मान, प्रतिष्ठा बढ़ेगी, विरोधी वर्ग सक्रिय रहेगा.

कर्क- आप जो चाहते हैं, वैसा हो पाना मुश्किल है, विरोधी प्रबल होंगे, पारिवारिक वातावरण आनन्दमय बना रहेगा, रोगी के स्वास्थ्य में सुधार होगा.

सिंह- कामकाज के सिलसिले में यात्रा हो सकती है, वैभव के सामान पर धन खर्च होगा, जोखिम के कार्यों में सतर्कता बांछनीय, लाभ अच्छा होगा.

कन्या- मित्रों के साथ मौज मस्ती में समय बीतेगा, पारिवारिक निकटता बढेगी, सुखद समाचारों की प्राप्ति होगी, आकस्मिक दूर की यात्रा हो सकती है.

तुला- टालमटोल के चलते कामकाज में परेशानी होगी, बुजुर्गों का दिशा निर्देश लाभकारी रहेगा, कीर्ति बढेगी, अचानक बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है.

वृश्चिक- मांगलिक खर्च होगा, कार्यक्षेत्र में आपसी तनाव व मनमुटाव से मानसिक परेशानी हो सकती है, जल्दबाजी में लिया गया निर्णय सफल होगा.

धनु- निजी कार्यों को टालने से समस्या बढेगी, मामूली बात पर आपसी कहासुनी बढ़ सकती है, शांति से काम निकालना लाभदायक रहेगा, लाभ कम होगा.

मकर- किसी कामना की पूर्ति होगी, यात्रा में लाभ होगा, किया गया प्रयास सफल होगा, आर्थिक कार्यों में यश प्राप्त होगा, साहस रखें.

कुम्भ- कैरियर में सफलता के लिये थोड़ा इन्तजार करें, कोई बड़ी जिम्मेदारी निभाना पड़ेगी, महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी, दूर की यात्रा होगी.

मीन- घरेलू आयोजन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे, बिखरे कार्य समेटने में परिवार का सहयोग रहेगा, आजीविका के प्रयासों में सफलता मिलेगी.

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2082 मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा गुरूवासरे शाम 4/55, भरणी नक्षत्रे दिन 8/42, व्यतिपात योगे दिन 9/55, कौलव करणे सू.उ. 6/31, सू.अ. 5/29, चन्द्रचार मेष दिन 2/17 से वृषभ, शु.रा. 1, 3, 4, 7, 8, 11 अ.रा. 2, 5, 6, 9, 10, 12 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा को भरणी नक्षत्र के प्रभाव से समस्त प्रकार के अनाजों, जौ, ज्वार, मक्का, बाजरा आदि के भावों में जोरदार तेजी होगी, तिल, सरसों, के भाव में समानता रहेगी. भाग्यांक 1476 है.

SUDOKU 7204

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7203

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4